उद्यमिता बढ़ाने के लिए आइआइएम व एनएसडीसी ने किया समझौता

- प्रासंगिक अनुभव प्रदान करने के लिए तैयार किया गया इंटर्नशिप कार्यक्रम
- स्थानीय संसाधनों को ध्यान में रखते हुए संचालित होगा कार्यक्रम

जासं, रांची : आइआइएम रांची राष्ट्रीय कौशल विकास निगम (एनएसडीसी) ने झारखंड में आदिवासी उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए हाथ मिलाया है। आइआइएम के आइपीएम छात्रों ने सामाजिक इंटर्नशिप के अपने निष्कर्ष प्रस्तुत किए और नई दिल्ली में कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय और एनएसडीसी के उच्च अधिकारियों के साथ संभावित नीति हस्तक्षेप साझा किया।

छात्रों को बहु-कौशल विकास केंद्र सिंगी दाई वन विज्ञान केंद्र की योजना और रणनीति विकास प्रयासों का एक अभिन्न अंग बनाकर उन्हें प्रासंगिक अनुभव प्रदान करने के लिए एक इंटर्नशिप कार्यक्रम डिजाइन किया गया है। कार्यक्रम में स्थानीय संसाधनों और संस्कृति के अनुरूप औषधीय पौधों, बागवानी और सुगंधित आवश्यक तेल क्षेत्रों पर फोकस किया गया। पहल के तहत आइआइएम के इंटीग्रेटेड प्रोग्राम इन मैनेजमेंट के दूसरे वर्ष के छात्रों ने विकास भारती बिशनपुर झारखंड में अपनी पांच दिवसीय यात्रा पूरी की। ग्रामीण विकास पहलों पर जानकारी

छात्रों ने नई दिल्ली में कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय और एनएसडीसी के उच्च अधिकारियों के साथ संभावित नीति को किया साझा

करते स्थानीय लोगों को लाभ पहुंचाने के लिए नवोन्मेषी समाधानों पर ध्यान केंद्रित किया गया। आइआइएम रांची के छात्रों ने खुद को उद्यमों के रूप में विभाजित किया और विपणन योजनाओं पर काम किया जो बेहतर कृषि उत्पादन और सामुदायिक जुड़ाव के लिए रणनीतियां प्रदान करती हैं।

एक महीने के इंटर्नशिप कार्यक्रम ने नौ बैचों में प्रशिक्षुओं को सफलतापूर्वक प्रशिक्षित किया है, जिसमें तीन क्षेत्रों के तीन-तीन समूह शामिल हैं, जिन्होंने एक उद्यम पर एक साथ काम किया है।

ये रहे उपस्थित

इस अवसर पर सचिव एमएसडीई अतुल कुमार तिवारी, निदेशक आइआइएम रांची प्रो. दीपक कुमार श्रीवास्तव, सीईओ एनएसडीसी एवं एमडी, एनएसडीसी इंटरनेशनल वेदमणि तिवारी, सचिव विकास भारती, अशोक भगत, प्रो. गौरव मराठे, प्रो. अंगशुमन हजारिका और प्रो. राजीव एरिकट, आइआइएम रांची के संकाय सदस्य और एमएसडीई के अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

Dainik Jagran, 04.08.2023,Pg. 4